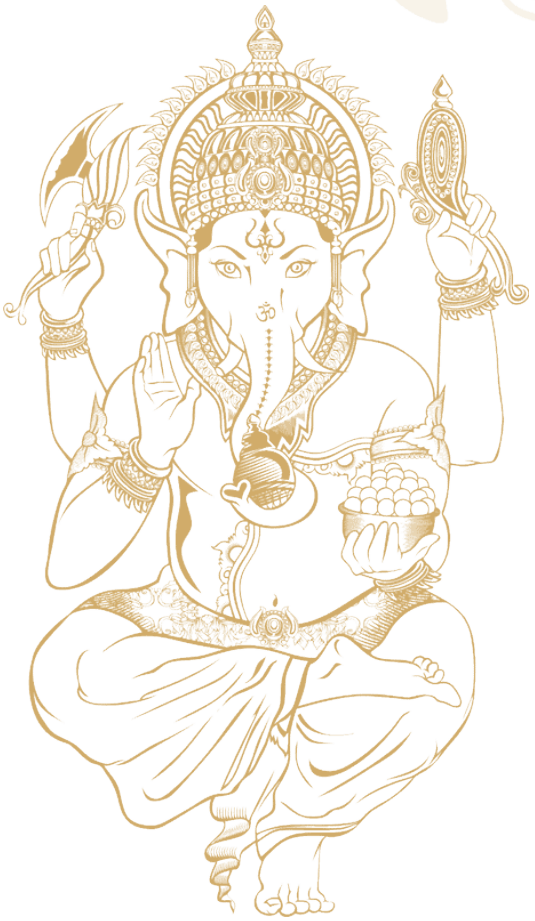

Mr.Partha Kohili

Ms.Tanisha Chandra

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120997001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120997001 Date: 20/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/09/1997	जन्म तिथि	06/02/1998
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 07:54:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 04:48:11	जन्म समय(घटी)	26:39:36 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Bhopal
29:01:00 उत्तर	अक्षांश	23:17:00 उत्तर
77:45:00 पूर्व	रेखांश	77:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:00	स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:43	सूर्योदय	06:58:24
18:36:11	सूर्यास्त	18:10:14
23:49:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:46

कन्या	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कन्या	राशि	वृष
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
हस्त	नक्षत्र	मृगशिरा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	1
शुक्ल	योग	वैधृति
गर	करण	वणिज
ठ-ठाकुर	जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
महिष	योनि	सर्प
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मृग

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 8मा 17दि		13:11:27	कन्या	लग्न	कर्क	18:54:24	मंगल 5वर्ष 7मा 30दि	
गुरु		18:44:50	सिंह	सूर्य	मक	23:40:32	गुरु	
24/05/2023		22:22:46	कन्या	चंद्र	वृष	25:52:28	07/10/2021	
24/05/2039		20:00:34	तुला	मंगल	कुंभ	15:43:04	07/10/2037	
गुरु	12/07/2025	10:36:31	सिंह व	बुध	मक	12:20:33	गुरु	25/11/2023
शनि	23/01/2028	19:59:57	मक व	गुरु	कुंभ	06:39:33	शनि	08/06/2026
बुध	30/04/2030	28:00:32	कन्या	शुक्र	धनु	24:38:45	बुध	13/09/2028
केतु	06/04/2031	25:33:31	मीन व	शनि	मीन	22:03:42	केतु	20/08/2029
शुक्र	05/12/2033	25:52:58	सिंह	राहु व	सिंह	16:55:24	शुक्र	20/04/2032
सूर्य	23/09/2034	25:52:58	कुंभ	केतु व	कुंभ	16:55:24	सूर्य	06/02/2033
चन्द्र	23/01/2036	11:31:13	मक व	हर्ष	मक	15:22:52	चन्द्र	08/06/2034
मंगल	29/12/2036	03:39:36	मक व	नेप	मक	06:28:58	मंगल	15/05/2035
राहु	24/05/2039	09:08:51	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:55:31	राहु	07/10/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:26 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:46

लग्न-चलित

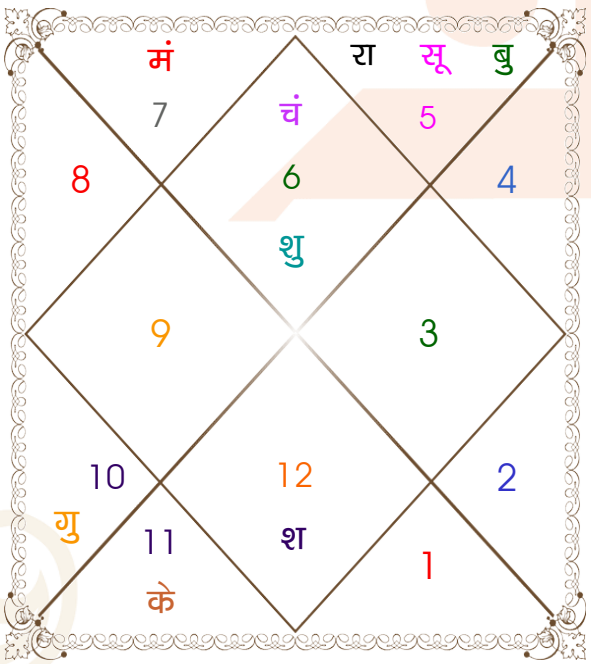

लग्न-चलित

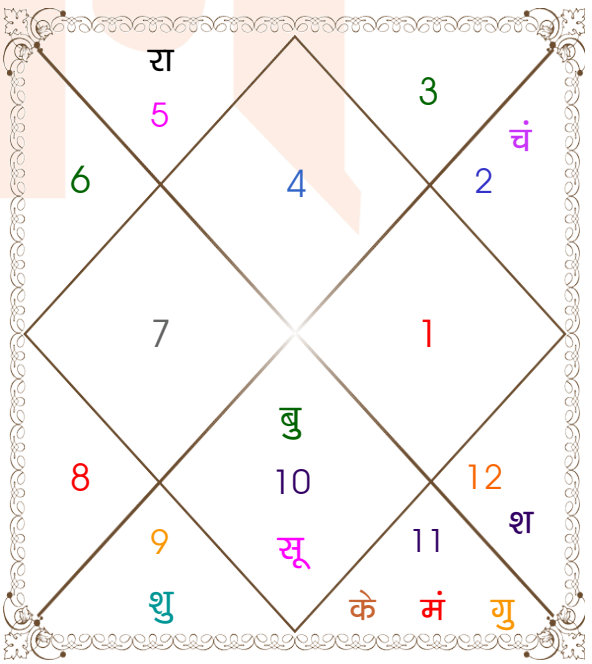

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

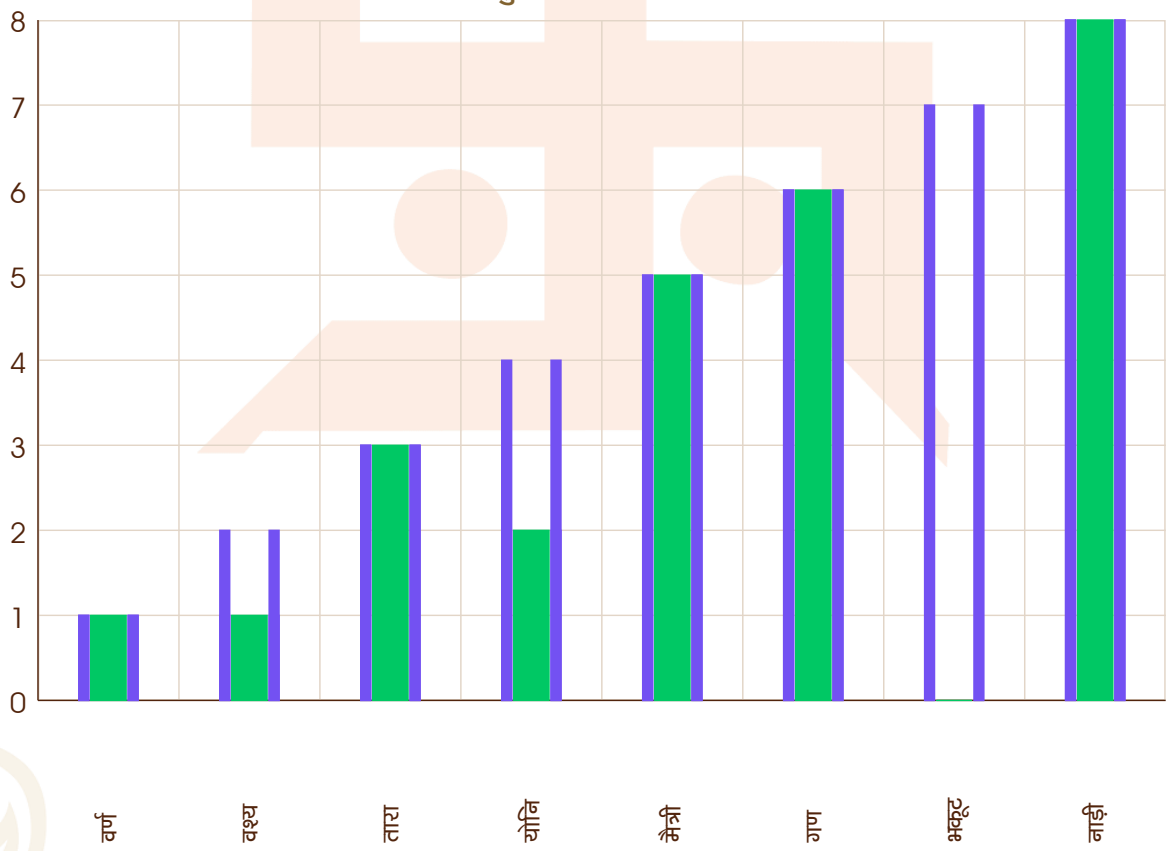

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Partha Kohili का वर्ग श्वान है तथा डेण्ज्दर्पों बैंदकतं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पों बैंदकतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Partha Kohili मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्ज्दर्पों बैंदकतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ज्दर्पों बैंदकतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण्ज्दर्पों बैंदकतं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.Partha Kohili तथा डेण्ज्दर्पों बैंदकतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Partha Kohili का वर्ण वैश्य है तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Mr.Partha Kohili का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr.Partha Kohili एवं डेण्ज्दर्पी बैंदकतं दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। डेण्ज्दर्पी बैंदकतं अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr.Partha Kohili अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr.Partha Kohili की तारा अतिमित्र तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mr.Partha Kohili हमेशा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Mr.Partha Kohili की योनि महिष है तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Partha Kohili एवं डेण्ज्दर्पी बैंदकतं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.Partha Kohili एवं डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.Partha Kohili एवं डेण्ज्दर्पी बैंदकतं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.Partha Kohili का गण देव तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.Partha Kohili से डेण्ज्दर्पी बैंदकतं की राशि नवम भाव में स्थित है तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं से Mr.Partha Kohili की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr.Partha Kohili की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Mr.Partha Kohili की नाड़ी आद्य है तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Partha Kohili की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं की राशि भी पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तत्व की परस्पर नैसर्गिक समता होने के कारण Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के स्वाभाविक गुणों में समानता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

Mr.Partha Kohili की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के मध्य मित्रता सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे इनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा तथा एक दूसरे को उचित सम्मान प्रदान करेंगे।

Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं की जन्म राशि परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं में अहंकार के भाव की उत्पति होगी तथा इस प्रवृति से एक दूसरे की उपेक्षा तथा आलोचना आदि करेंगे जिससे आपसी संबधों में तनाव आदि उत्पन्न होगा परन्तु यदि Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं सावधानी एवं धैर्य से कार्य करें तो तथा इन प्रवृतियों की उपेक्षा करें तो दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होने की संभावना बन सकती है।

Mr.Partha Kohili का वश्य मानव तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया मानव एवं चतुष्पद के मध्य असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफलता प्राप्त करेंगे।

Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं दोनों का वर्ण वैश्य है अतः इनकी कार्य क्षमताएं बराबर होंगी तथा दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से ये कार्यो को सम्पन्न करेंगे।

धन

Mr.Partha Kohili का जन्म अतिमित्र तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से डेण्ज्दर्पी बैंदकतं एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार

Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Partha Kohili का जन्म आद्य तथा डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Mr.Partha Kohili के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Mr.Partha Kohili को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति के दृष्टि से Mr.Partha Kohili एवं डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः डेण्ज्दर्पी बैंदकतं को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे डेण्ज्दर्पी बैंदकतं सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Partha Kohili और डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि डेण्ज्दर्पी बैंदकतं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से डेण्ज्दर्पी बैंदकतं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी डेण्ज्दर्पी बैंदकतं का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी डेण्ज्दर्पी बैंदकतं से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.Partha Kohili के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Mr.Partha Kohili के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr.Partha Kohili के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Mr.Partha Kohili भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।